हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - I

(पाठ 1 से 12 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिएः

(क) भरत का अपने बड़े भाई श्री राम के प्रति आदर व प्रेम के भाव की प्रासंगिकता की पुष्टि आज के संदर्भ में कीजिए।

(ख) हेमंत और ग्रीष्म ऋतु का वर्णन करते हुए सिद्ध कीजिए कि सेनापति प्रकृति सौंदर्य के चित्रण के बेजोड़ कवि हैं।

(ग) वैर, प्रेम, अभ्यास और कीर्ति––कोई भी व्यक्ति जन्म से नहीं प्राप्त करता, बल्कि ये चीजें जीवन में समय के साथ-साथ विकसित होती हैं, कैसे? अपने आस-पास के वातावरण से प्रत्येक का उदाहरण देकर कवि रहीम के इस मत को पुष्ट कीजिए।

2. (क) निम्नलिखित पंद्याश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

''प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी।
प्रभु जी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।।
प्रभु जी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।।
प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा''।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

''शिक्षा साध्य नहीं है वरन्– किसी लक्ष्य को पाने का साधन है। हम बच्चों को शिक्षा देने के लिए ही शिक्षा नहीं देते। हमारा प्रयोजन होता है, उन्हें जीवन के लिए योग्य एवं सक्षम बनाना। जैसे ही इस सत्य को हम अच्छी तरह से ग्रहण कर लेंगे वैसे ही यह बात हमारी समझ में आ जाएगी कि महत्वपूर्ण यह है कि हम ऐसी शिक्षा-पद्धति को चुनें जो बच्चे को वास्तव में जिंदगी के लिए तैयार करे। यह काफी नहीं है कि हम उसी पद्धति को चुन लें जो हमें सबसे पहले प्राप्त हो या अपनी पुरानी पद्धति को ही बिना यह जाँचे हुए कि वह सचमुच उपयुक्त है या नहीं, आगे चलाते चलें। बहुत से देशों ने यह सोचना शुरू कर दिया है कि शिक्षा सब के लिए हो, चाहे वह अमीर हो या गरीब, बुद्धिमान हो या बुद्धिहीन। उनकी यह धारणा है कि शिक्षा मुफ्त कर देने से समाज की समस्याएँ हल की जा सकती हैं और एक परिपूर्ण त्रुटिहीन राष्ट्र का निर्माण हो सकता है परंतु यह तो हमें आज भी दिखाई पड़ता है कि सबके लिए मुफ्त शिक्षा का प्रबंध कर देना काफी नहीं है। पता यह चलता है कि ऐसे

देशों में विश्वविद्यालयों के उपाधिधारियों की संख्या उपलब्ध नौकरियों से कहीं अधिक है। अपनी उपाधियों के कारण ये लोग उस काम को अस्वीकार कर देते हैं जिसे वे 'छोटा' समझते हैं। वास्तव में, उन लोगों द्वारा हाथ से किए जाने वाले श्रम के कार्य हेय तथा छोटे माने जाते हैं।

जब हम कहते हैं कि हमें इस प्रकार शिक्षित किया जाना चाहिए कि हम जीवन जीने के योग्य बन सकें तो आशय यह होता है कि हमें इस प्रकार से शिक्षित किया जाना चाहिए कि एक तो, हममें से प्रत्येक उन कार्यों के योग्य हो सके, जो उसकी बुद्धि और क्षमता के अनुरूप हो, दूसरे हम उस बात को मन से स्वीकार कर सकें कि समाज के लिए सभी काम आवश्यक हैं और अपना कार्य करने से शर्माना या दूसरे के कार्य को 'छोटा' समझना बहुत खराब है।

(i) ''शिक्षा किसी लक्ष्य को पाने का साधन है'' सिद्ध कीजिए।

(ii) 'सबके लिए मुफ्त शिक्षा' का आशय स्पष्ट कीजिए। आपके विचार से क्या यह संभव है?

(iii) विश्वविद्यालयों के उपाधिधारी अपने हाथों से काम करने को कैसा समझते हैं और क्यों?

(iv) ''हम सब को जीवन जीने के योग्य बनाने के लिए शिक्षा दी जानी चाहिए।'' कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश का सार लगभग एक तिहाई शब्दों में लिखिए तथा उपयुक्त शीर्षक भी लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में दीजिए:

(क) संस्मरण और रेखाचित्र गद्य की दो महत्वपूर्ण विधाएँ हैं। दोनों के रूप में अंतर स्पष्ट करते हुए दो-दो उदाहरण दीजिए।

(ख) 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ' पाठ आपने पढ़ा। अब आपको चित्र के माध्यम से एक विशिष्ट स्थिति से अवगत कराया जा रहा है ऐसी स्थिति में आपके व्यवहार की जीवन-शैली कैसी होगी लिखिए।

चित्र को ध्यान से देखिए। चित्र में माता-पिता अपने बच्चे को टी.वी. देखने के लिए मना कर रहे हैं।

(i) बच्चे की स्थिति में अपने को रखकर बताइए कि आप टी.वी. देखने के लिए अपने माता-पिता को क्या-क्या तर्क देंगे और क्यों?

(ii) दूसरी स्थिति में आप स्वयं को माता-पिता की स्थिति में रखते हुए बच्चे को यह तर्क सहित समझाइए कि टी.वी. देखना उसके लिए उपयुक्त क्यों नहीं है?

(ग) कलाकार के सच्चे स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताइए कि आपकी दष्टि में सच्ची कलाकार अरुणा है या चित्रा?

4. किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए–

(क) कामकाजी नारी की शाम

(ख) दैव-दैव आलसी पुकारा

(ग) महानगरीय जीवन : तनाव का जीवन

(घ) सच्चा हिंदुस्तान है बसा हमारे गाँवों में

5. निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए निर्देशानुसार एक सुंदर परियोजना तैयार कीजिए: (प्रत्येक के लिए तालिका अथवा वक्षारेख निर्माण अनिवार्य)

(i) संज्ञा और संज्ञा के भेद– प्रत्येक के पाँच-पाँच उदाहरण

(ii) सर्वनाम और सर्वनाम के भेद– प्रत्येक के पाँच-पाँच उदाहरण

(iii) विशेषण और विशेष्य के भेद– प्रत्येक के दस-दस उदाहरण

(iv) विशेषण तथा विशेष्य का वाक्य प्रयोग द्वारा स्पष्टीकरण– बीस वाक्य

(v) कारक और कारक के भेद– कारक चिह्न एवं वाक्य में प्रयोग– प्रत्येक कारक पर आधारित पाँच वाक्य

(vi) रचना की दष्टि से वाक्य भेद– प्रत्येक के स्पष्टीकरण हेतु पाँच -पाँच वाक्य

अथवा

भारत में प्रति राज्य एड्स ग्रस्त लोगों की संख्या देने वाला एक चार्ट बनाइए। जिन राज्यों में यह संख्या अधिक है, वहाँ इस रोग के फैलने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 13 से 25 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिए:

(क) दिनकर की कविता 'परशुराम के उपदेश' के अनुसार एक सच्चे वीर में कौन-कौन सी विशेषताएँ होनी चाहिए? किन्हीं पाँच का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'कठपुतली' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हम कब और क्यों कठपुतली बन जाते हैं और क्यों दूसरों को बनाना चाहते हैं? अपने जीवन और आस-पास के वातावरण से उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा
'मैं तोड़ती पत्थर'।

उर्पयुक्त पंक्तियों के भावबोध को ध्यान में रखते हुए जीवन में कर्म की महत्ता को उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

2. (क) निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

सुन के हैरानी होती है। दुनिया में त्याग नहीं है– प्रेम नहीं है– परार्थ नहीं है– परमार्थ नहीं है– है केवल प्रचंड स्वार्थ। भीतर की जिजीविषा जीते रहने की प्रचंड इच्छा ही अगर बड़ी बात हो तो यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियों जिनके बल पर दल बनाए जाते हैं, शत्रु-मर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है। इसके द्वारा कोई-न-कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है। लेकिन अंतरतर से कोई कह रहा है ऐसा सोचना गलत ढंग से सोचना है। स्वार्थ से भी ऊपर कोई-न-कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचंड कोई-न-कोई शक्ति अवश्य है। क्या है?

(ख) निम्नलिखित कविता के अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

छाया, मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
दुविधा हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है ना चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना।

(i) 'छाया' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

(ii) प्रस्तुत पंक्तियों में दो विशेषण छाँटिए तथा उसकी विशिष्टता का अर्थ पर प्रभाव लिखिए।

(iii) 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' का भाव कविता की किस पंक्ति से झलकता है?

(iv) उर्पयुक्त काव्यांश में जीवन में दुखों के बढ़ने के क्या कारण बताए गए हैं?

(v) 'प्रतीकात्मकता' के अतिरिक्त काव्यांश की भाषा-शैली की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70–70 शब्दों में लिखिए:

(क) ''पर हम कर्म के बिना कैसे जीवित रहेंगे?'' 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' के वयोवद्ध पात्र का यह वाक्य किन परिस्थितियों में कहा गया है और क्यों?

आप अपने जीवन के कर्म-विहीन क्षणों को किस प्रकार उपयोगी तथा रोचक बनाते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) ''बौरा गई है क्या? कहीं सास-ससुर से इस तरह की बातें की जाती हैं?'' अनुराधा की सास का यह कथन क्या आपको अनुचित लगता है? तर्क सहित लिखिए।

अपने जीवन से किसी ऐसी घटना का उदाहरण दीजिए जब आपके सही निर्णय को आपके परिवार ने गलत ठहराया हो अथवा असहमति प्रकट की हो। तब आपने उस स्थिति का सामना कैसे किया? अपनी मनःस्थिति को अभिव्यक्त कीजिए।

(ग) हिंदी कविता की विकास-यात्रा में आधुनिक काल की रचनाओं की विशेषताओं का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए:

(i) प्रतिवेदन के मुख्य तत्व कौन-कौन से हैं?

(ii) अंतर्विभागीय टिप्पण तथा अंतराविभागीय टिप्पण को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(iii) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में भाव-पल्लवन कीजिए:

(क) 'अधजल गगरी छलकत जाय'

(ख) 'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर'

5. परियोजना कार्य

कार्यालयी पत्रों के विभिन्न प्रकारों में से किन्हीं पाँच प्रकारों के पाँच-पाँच मूल पत्र एकत्रित कीजिए तथा वर्गानुसार संक्षेप में परिचय देते हुए उनकी छाया प्रतियाँ लगाकर फाइल तैयार कीजिए।

हिंदी

(301)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 26 से 37 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'क्रोध सब मनोविकारों से फुर्तीला है।' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। अनुभव आधारित कोई दो उदाहरण देते हुए उत्तर की पुष्टि कीजिए।

(ख) 'विवेकानंद शिला स्मारक' कन्याकुमारी तथा समस्त भारत-वासियों के लिए गौरव का प्रतीक है। इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(ग) 'मन जब निश्चित-सा कर लेता कोई मत है बुद्धि-देव-बल से प्रमाण का सतत निरखता सपना।' कथन के आधार पर लिखिए कि जब भी आपके जीवन में विषम परिस्थितियाँ आईं आपकी जिजीविषा और संकल्प-शक्ति ने संकट से उबरने में सदा आपकी सहायता की है।

2. निम्नलिखित प्रवाह-चार्ट को ध्यानपूर्वक पढ़िए और अनुच्छेद रूप में लिखिए।

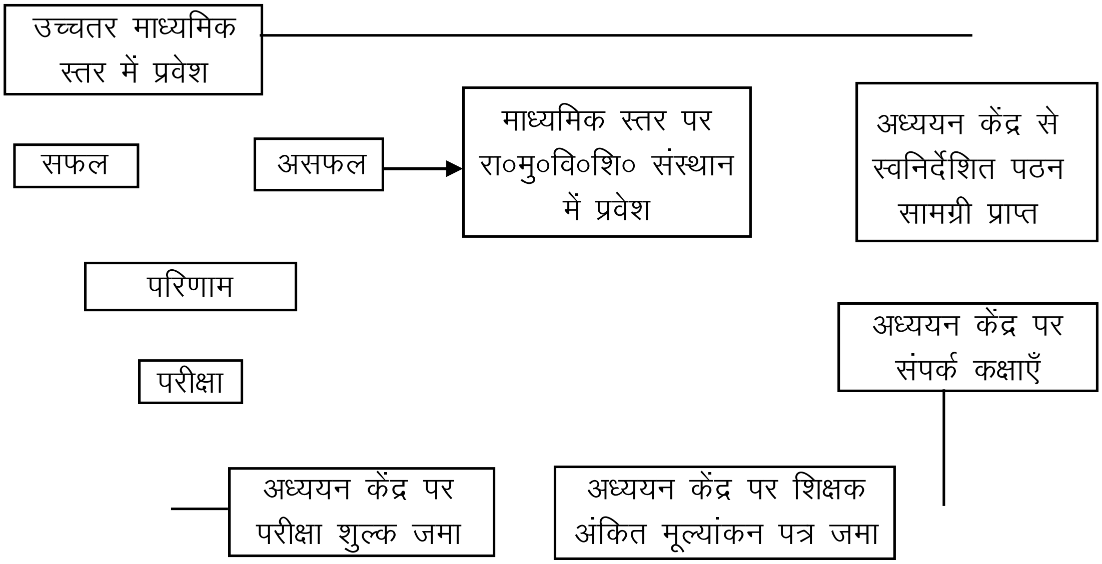

3. (क) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास में दर्शाए गए प्रेम, बलिदान, त्याग, वीरता आदि मूल्यों का आज हमारे लिए क्या महत्व है? तर्क सहित उल्लेख कीजिए।

(ख) 'विराटा की पद्मिनी' के आरंभ में पहूज नदी का जो वर्णन किया गया है, वह आज और अधिक प्रासंगिक हो गया है। पर्यावरण और पवित्रता को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर तर्क सहित अपने विचार लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए:

(क) पथ्वी पर बढ़ता ताप : कारण और निवारण

(ख) एफ. एम. रेडियो चैनलों की भाषा

5. **परियोजना कार्य**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर परियोजना तैयार कीजिए।

(क) किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बाजार में भारतीय रुपए के मूल्य को दर्शाए गए एक सप्ताह के ग्राफ काटिए और इस आधार पर रुपए के मूल्य में उतार-चढ़ाव को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) ''शिक्षा नारी को भ्रष्टाचार तथा शोषण से मुक्त करती है'' विषय से मिलते-जुलते पाँच से दस संपादकीय हिंदी समाचार-पत्रों से एकत्रित कर अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करते हुए एक परियोजना तैयार कीजिए।

(ग) किन्हीं दस भारतीय वैज्ञानिकों का संक्षिप्त परिचय (सचित्र) तथा उनका योगदान एकत्रित कर एक सुंदर-सी परियोजना तैयार कीजिए।